आज राइज़िंग राजस्थान एम.ओ.यू. की समीक्षा करेंगे मुख्यमंत्री भजनलाल

मुख्यमंत्री स्तर पर पहली समीक्षा 1,000 करोड़ रूपए से अधिक निवेश वाले एम.ओ.यू. की होगी

जयपुर, 5 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार को राइज़िंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हस्ताक्षिरत हुए 1 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि वाले एमओयू को समयबद्ध रूप से धरातल पर उतारने के लिए समीक्षा बैठक करेंगे।

- **कृषि, शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी, उद्योग व वाणिज्य, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, खनन, पर्यटन और नगरीय विकास व आवासन विभाग के 124 एम. ओ.यू. के क्रियान्वयन पर विभागीय अधिकारियों से रिपोर्ट ली जायेगी।**

समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री कृषि, शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी, उद्योग एवं वाणिज्य, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, खनन, पर्यटन और नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के 124 एमओयू के क्रियान्वयन के संबंध में विभागीय अधिकारियों के साथ चर्चा करेंगे।

उल्लेखनीय है कि गत वर्ष में 9 से 11 दिसंबर तक आयोजित हुए राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत कुल 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू किए गए थे। जिसके बाद इन एमओयू के समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मुख्यमंत्री ने त्रि-स्तरीय समीक्षा व्यवस्था की पहल की थी। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री स्तर पर एमओयू क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक आयोजित हो रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने प्रदेश के कारोबारी एवं व्यापारिक माहौल को निवेशकों के अनुरूप बनाने के लिए बड़े बदलाव किए हैं। प्रदेश में औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना, नवीन औद्योगिक क्षेत्रों को भू-खण्ड आवंटन किए गए हैं। साथ ही, निवेश को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना-2024 एवं अन्य 9 नई नीतियां भी जारी की गई हैं। राइजिंग राजस्थान समिट के तहत हुए निवेश एमओयू को जमीन पर उतारने की प्रगति रिपोर्ट दिसंबर 2025 में प्रदेशवासियों के सामने प्रस्तुत की जाएगी।

चौबीस घंटे में यूक्रेन के 340 सैनिक मरे, 4 टैंक नष्ट

मॉस्को, 05 जनवरी। रूसी रक्षा मंत्रालय ने रविवार को कहा कि यूक्रेन ने पिछले 24 घंटों में कुर्स्क दिशा में अपने 340 सैनिकों और चार टैंकों को खो दिया है। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि पिछले 24 घंटों में, यूक्रेनी सशस्त्र बलों के 340 सैन्य कर्मियों की मौत हुई है। इसके साथ ही चार टैंक, पैदल सेना से लड़ने वाले तीन वाहन, चार बख्तरबंद कार्मिक वाहक, 12 बख्तरबंद लड़ाकू वाहन, एक बैराज वाहन, 20 वाहन और पांच मोर्टार नष्ट हो गए। कुल मिलाकर, कुर्स्क दिशा में लड़ाई के दौरान, यूक्रेन ने 49,010 से अधिक सैन्य कर्मियों, 273 टैंकों, पैदल सेना से लड़ने वाले 209 वाहनों, 153 बख्तरबंद कर्मियों के वाहक, 1,461 बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों, 1,407 वाहनों, 340 तोपखाने के टुकड़ों, मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम के 44 लॉन्चरों को खोया है, जिसमें 13 हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम (हिमार्स) और छह एमएलआरएस, विमान भेदी मिसाइल प्रणालियों के 16 लांचर, आठ परिवहन-लोडिंग वाहन, 88 इलेक्ट्रॉनिक युद्ध स्टेशन, 13 काउंटर-बैटरी रडार, चार वायु रक्षा रडार, इंजीनियरिंग और अन्य उपकरणों की 28 इकाइयां साथ ही 14 इंजीनियरिंग क्लीयरेंस वाहन, एक माइन क्लियरिंग इंस्टॉलेशन यूआर-77, सात बख्तरबंद मरम्मत एवं रिकवरी वाहन और एक कमांड और स्टाफ वाहन शामिल हैं।

अजमेर दरगाह में चढ़ाई गई सचिन पायलट की भेजी चादर

केन्द्रीय रक्षा मंत्री द्वारा भेजी चादर भी अजमेर शरीफ में चढ़ाई गई

- **रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा भेजी चादर दरगाह कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष मुनव्वर खान लेकर आये थे तथा पायलट की चादर प्रदेश कांग्रेस के अल्पसंख्यक विभाग के आबिद कागजी लेकर आये।**

अजमेर, 5 जनवरी (कासं)। ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती के 813 वें सालाना उर्स के मौके पर आज अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट की ओर से मजार शरीफ पर मखमली चादर एवं अकीदत के फूल पेश किये गए। इसी प्रकार केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की ओर से भेजी गई चादर व अकीदत के फूल मज़ार शरीफ पर पेश किए गए। चादर दरगाह कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष मुनव्वर खान लेकर आए।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव पायलट की चादर , राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के सदर आबिद कागजी ने चढ़ाई। आबिद कागजी ने सर्किट हाउस एवं दरगाह में पायलट का संदेश पढ़ कर सुनाया । पायलट ने संदेश में कहा कि अजमेर दरगाह शरीफ में ख्वाजा मोईनुद्दीन हसन चिश्ती के 813वें उर्स के मुबारक के मौके पर पूरी दुनिया से जियारत के लिए आने वाले जायरीनों को मैं तहे दिल से मुबारकबाद पेश करता हूं। यह दरगाह हमारे वतन की गंगा-जमुनी संस्कृति का प्रतीक है। हज़रत ख्वाजा साहब का मुबारक पैगाम प्रेम, सेवा और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने का रहा है। यह रिवायत हमारे मुल्क का कीमती सरमाया है, जिसकी हिफाज़त करना हम सबका फरीज़ा है। आइये हम सब मिलकर ख्वाजा साहब की बारगाह में हाथ उठाकर दुआ करें कि मुल्क के अन्दर अमन, शांति और खुशहाली हमेशा बरकरार रहे और अमन के दुश्मनों की तमाम साजिशें नाकाम हों। मुझे पूरा यकीन है कि दुआ के लिए उठे हुए हाथ खुदा के जात से कुबूलियत ज़रूर हासिल करेंगे। इस अवसर पर अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विजय जैन, पूर्व मंत्री नसीम अख्तर इंसाफ, महेंद्र सिंह रलावता, पारस पंच, नाथूराम सिनोदिया, शिव प्रकाश गुर्जर, हेमंत भाटी, कमल बाकोलिया, इंसाफ अली, अवधेश पारीक, हरि सिंह गुर्जर, प्रताप यादव, गिरधर तेजवानी, शिव कुमार बंसल, आरिफ हुसैन, नरेश सत्यवाना, सुकेश काकरिया, अशोक बिंदल, श्याम प्रजापति, विपिन बेसिल , कुश महेंद्र सिंह रलावता, राज नारायण, अशोक, हमीद चीता, गजेंद्र सिंह रलावता, हितेश्वरी टांक, मनीष चौरसिया, रश्मि हिंगोरानी, सुनील धानका, मनीष सेठी, शक्ति सिंह रलावत सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

लैंड करते हुए तटरक्षक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हुआ

पोरबंदर हवाई अड्डे पर हुई दुर्घटना में दो पायलट व एक एयरक्रू गोताखोर की मृत्यु

नयी दिल्ली, 05 जनवरी।भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) का एक एएलएच एमके- हेलीकॉप्टर रविवार को गुजरात के पोरबंदर हवाई अड्डे के रनवे पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें तीन कर्मियों की मौत हो गई। रक्षा मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, यह दुर्घटना उस समय हुई जब दो पायलटों और एक एयरक्रू गोताखोर के साथ आईसीजी हेलीकॉप्टर नियमित प्रशिक्षण उड़ान पर था।

- **दोपहर में रूटीन राउन्ड के बाद कोस्ट गार्ड हेलीकॉप्टर लैंडिंग के दौरान रनवे पर क्रैश हो गया। जोरदार धमाके की आवाज आस-पास के इलाकों में सुनी गई।**
- **तीनों मृतकों का सेवा परम्पराओं एवं सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जायेगा। घटना के कारणों पर बोर्ड ऑफ इन्क्वायरी द्वारा जांच होगी।**

घटना के तुरंत बाद, चालक दल को पोरबंदर के सरकारी अस्पताल में स्थानांतरित किया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। घटना के कारणों की जांच बोर्ड ऑफ इंक्वायरी द्वारा की जा रही है।

बयान के अनुसार, चालक दल के कमांडेंट (जेजी) सौरभ, डिप्टी कमांडेंट सुधीर कुमार यादव और मनोज प्रधान नाविक के शवों का सेवा परंपराओं एवं सम्मान के अनुसार अंतिम संस्कार किया जाएगा।

पुलिस ने बताया कि कोस्ट गार्ड के हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिलते ही एयर एन्क्लेव में फायर ब्रिगेड और पोरबंदर फायर ब्रिगेड तुरंत मौके पर पहुंच गए और दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के साथ आग पर काबू पाने की कोशिश की। पोरबंदर में तटरक्षक बल का मुख्यालय स्थित है और हवाई अड्डे के पास तटरक्षक बल का एयर एन्क्लेव है। आज दोपहर रूटीन राउंड के बाद जब कोस्ट गार्ड का हेलीकॉप्टर लैंड कर रहा था तो अचानक दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसके बाद एक जोरदार धमाके की आवाज आसपास के इलाकों में सुनाई दी। हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद उसमें आग लग गई, जिससे पायलट समेत तीन लोगों की मौत हो गयी। पुलिस ने मामला दर्ज करके आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

मणिपुरः सेना व पुलिस के संयुक्त अभियान में हथियार व गोला बारूद बरामद

इंफाल, 05 जनवरी। भारतीय सेना ने मणिपुर पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों के साथ मिलकर हथियारों और गोला-बारूद की बरामदी में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है।

कुल 42 हथियार, साथ ही एक बड़ी मात्रा में गोला-बारूद और युद्ध जैसे सामान को मणिपुर के पहाड़ी और घाटी क्षेत्रों में हुए अभियानों के दौरान जब्त किया गया। यह बरामदगी कई जिलों में की गई, जिसमें इंफाल पश्चिम, चंदेल, थौबल, कंगपोकपी और चुराचंदपुर शामिल हैं।

रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने कोहिमा में बताया कि सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे से बचाने के लिए सुरक्षा बल इस तरह के ऑपरशन चला रहे हैं। प्रवक्ता ने बताया कि मणिपुर में सुरक्षा बलों ने पहाड़ी और घाटी जिलों के संवेदनशील क्षेत्रों में ऑपरेशनों को तेज किया है, खोज अभियानों का संचालन कर रहे हैं और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए क्षेत्रीय दबदबा सुनिश्चित कर रहे हैं।

मस्जिद कमेटी संभल के मामले में इलाहबाद हाई कोर्ट पहुँची

याचिका में जिला अदालत में चल रहे मुकदमे की सुनवाई पर रोक लगाने की मांग की गई है

संभल, 05 जनवरी। उत्तर प्रदेश के संभल की शाही जामा मस्जिद विवाद से जुड़ी खबर में एक बड़ा अपडेट समाने आया है। मस्जिद कमेटी अब इस मामले को इलाहाबाद हाई कोर्ट ले गई है। मस्जिद कमेटी की ओर से हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है, जिसमें संभल की जिला अदालत में चल रहे मुकदमे की पोषणीयता पर सवाल उठाए गए हैं और उसे रद्द किए जाने की गुहार की गई है। इस याचिका को सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर दाखिल किया गया है।

- **हिन्दू पक्ष ने पहले ही इलाहबाद हाई कोर्ट में कैविएट दाखिल कर रखा है, जिसका मतलब है कि कोर्ट हिन्दू पक्ष को सुने बिना कोई भी फैसला नहीं सुनायेगा।**

मस्जिद कमेटी ने अपनी याचिका में मांग की है कि जिला अदालत में चल रहे मुकदमे की सुनवाई पर रोक लगाई जाए। इसके साथ ही कमेटी ने यह भी अपील की है कि एडवोकेट कमिश्नर की सर्वे रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया जाए और न ही निचली अदालत के सर्वे आदेश की आगे की प्रक्रिया पर कोई कार्रवाई की जाए।

इस मामले में हिंदू पक्ष ने पहले ही इलाहाबाद हाई कोर्ट में कैविएट दाखिल कर रखा है, जिसका मतलब है कि कोर्ट हिंदू पक्ष को सुने बिना कोई भी फैसला नहीं सुनाएगा। इसका उद्देश्य यह है कि अदालत मामले की सुनवाई के दौरान हिंदू पक्ष की भी राय सुने, ताकि किसी भी पक्ष की ओर से किसी भी प्रकार का पक्षपाती निर्णय न लिया जा सके। मस्जिद कमेटी की याचिका पर इलाहाबाद हाई कोर्ट में मंगलवार या बुधवार को सुनवाई हो सकती है। अदालत की सुनवाई के बाद इस मामले में आगे की कार्रवाई तय होगी।

शाही जामा मस्जिद के विवाद का मुख्य मुद्दा मस्जिद के सर्वे और उसके बाद की कार्यवाही पर है। पहले से ही इस मामले में जिला अदालत ने सर्वे के आदेश दिए थे, जिनके बाद इस विवाद ने और ज्यादा तूल पकड़ा। मस्जिद कमेटी का आरोप है कि यह सर्वे और उसके बाद की प्रक्रिया बिना उचित कानूनी प्रक्रिया के की जा रही है। इस मस्जिद का विवाद इस बात को लेकर है कि यह मस्जिद एक पुराने हिंदू मंदिर के ऊपर बनाई गई है या नहीं। इस विवाद में हिंदू और मुस्लिम समुदायों के बीच मतभेद हैं।

बाँग्लादेश से 95 मछुआरे सकुशल भारत लौटे

कोलकाता, 05 जनवरी। कई महीनों से भारत और बांग्लादेश के मछुआरे आज अपने-अपने वतन लौटे। रविवार को बंगाल की खाड़ी में इनका आदान-प्रदान हुआ। बांग्लादेश ने जहां 95 भारतीय मछुआरों को छोड़ा। वहीं भारत ने 90 बांग्लादेशी मछुआरे बांग्लादेश को सौंपे। उल्लेखनीय है कि पूरी प्रक्रिया पर भारत और बांग्लादेश की कोस्ट गार्ड की निगरानी हुई।

एक बयान के मुताबिक, भारतीय

- **भारत ने भी 90 बाँग्लादेशी मछुआरों को वापस भेजा।**

तटरक्षक बल और बांग्लादेश तटरक्षक बल के बीच समन्वित मछुआरों के आदान-प्रदान में, आईसीजी जहाज वरद और अमृत कौर ने 95 भारतीय मछुआरों और चार भारतीय मछली पकड़ने वाली नौकाओं को सुरक्षित रूप से भारत वापस भेजा, जबकि 90 बांग्लादेशी मछुआरों, जिनमें डूबी हुई मछली पकड़ने वाली नाव "कौशिक" से बचाए गए 12 मछुआरे भी शामिल हैं, को बांग्लादेश तटरक्षक बल को सौंपा गया।

यूनियन कार्बाइड का कचरा पीथमपुर में नहीं जलाया जाए

इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में पेश याचिका पर आज सुनवाई होगी

भोपाल, 05 जनवरी। मध्य प्रदेश के पीथमपुरा में यूनियन कार्बाईड का कचरा जलाने का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल की गई है। याचिका में कचरे को भोपाल से पीथमपुरा ले जाने और वहां इसे जलाने पर रोक लगाने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि यूनियन कार्बाईड के कचरे को भोपाल से पीथमपुरा ले जाने का फैसला लेते समय पीथमपुरा के लोगों से सलाह नहीं ली गई। पीथमपुरा में रेडिएशन का खतरा हो सकता है। अगर वहां ऐसा

- **याचिका में कहा गया है कि कचरा जलाने से पीथमपुर में रेडिएशन का खतरा हो जायेगा और वहाँ इसके लिये उचित मैडिकल फैसिलिटी भी नहीं है।**

होता है तो पीथमपुरा में उचित मेडिकल फेसिलिटी मौजूद नहीं है। अह इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट कल सुनवाई करेगा।

दरअसल, मध्य प्रदेश के पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री के रासायनिक कचरे के निष्पादन को लेकर बवाल मचा हुआ है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के अनुसार सरकार ने वहां कचरा पहुंचा दिया है और अब इसके निष्पादन की तैयारी चल रही है। इस बीच बड़ी संख्या में पीथमपुर के लोग इसका विरोध कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि इस कचरे को किसी दूसरी जगह पर जलाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने लोगों से अफवाहों पर यकीन न करने की अपील की है और कहा है कि सरकार जो कर रही है, वह सभी के हित में है। उन्होंने इशारों में कांग्रेस नेताओं पर निशाना भी साधा।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि 40 साल पहले जिनके कार्यकाल में गैस त्रासदी हुई, वही गलतफहमी फैलाने से आज भी बाज नहीं आ रहे हैं। अज्ञानता के आधार पर गलत बात फैलाई जा रही है, वोट की राजनीति के लिए कोई झूठी बात फैलाए तो मैं क्या कर सकता हूं। अब इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है, जिसपर सोमवार को सुनवाई होनी है।

मोदी का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कहा कि कुछ सप्ताह पहले उन्होंने अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के दूसरे चरण का उद्घाटन किया था। दिल्ली मेट्रो फेज-4 के जनकपुरी और कृष्णा पार्क के बीच शुरू हुए इस फेज के पहले खंड से पश्चिमी दिल्ली के कृष्णा पार्क, विकासपुरी, जनकपुरी के कुछ हिस्से आदि क्षेत्रों को लाभ मिलेगा। इसी तरह दिल्ली मेट्रो फेज-4 के 26.5 किलोमीटर लंबे रिठाला-कुंडली खंड के बन जाने पर यह दिल्ली के रिठाला को हरियाणा के नाथूपुर (कुंडली) से जोड़ेगा और इसका लाभ रोहिणी, बवाना, नरेला और कुंडली जैसे क्षेत्र के निवासियों को मिलेगा।

दक्षिण बस्तर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने चार नक्सलियों को मार गिराया। साथ ही एके 47, एसएलआर जैसे ऑटोमैटिक गन आदि हथियारों को जब्त किया। जानकारी के मुताबिक इस मुठभेड़ में दंतेवाड़ा डीआरजी के जवान प्रधान आरक्षक सन्नू कारम शहीद हो गए। इस मुठभेड़ पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साई ने पोस्ट शेयर किया है।

ओयो होटल में अविवाहित जोड़ों को कमरा नहीं मिलेगा

अपने संशोधित नियम में ओयो ने जोड़ों को शादी का वैध प्रमाण देना अनिवार्य बताया

नई दिल्ली, 05 जनवरी। होटल और ट्रैवल बुकिंग सेक्टर की दिग्गज कंपनी ओयो ने अविवाहित जोड़ों के लिए नियमों में संशोधन किया है। अब ओयो में अविवाहित जोड़ों को कमरा नहीं दिया जाएगा। इसके बाद अब पति-पत्नी ही होटल में कमरा ले सकेंगे। ओयो ने मेरठ से शुरुआत करते हुए भागीदार होटलों के लिए नई 'चैक-इन, नीति लागू की है। संशोधित नीति के मुताबिक, सभी जोड़ों को 'चैक-इन के वक्त अपने रिश्ते का वैध प्रमाण देने के लिए कहा जाएगा। इसमें ऑनलाइन बुकिंग भी शामिल हैं।

कंपनी ने कहा कि ओयो ने अपने भागीदार होटलों को स्थानीय सामाजिक संवेदनशीलता के साथ तालमेल बिठाते हुए अपने विवेक के आधार पर अविवाहित जोड़ों की बुकिंग को अस्वीकार करने का अधिकार दिया है।

- **ओयो कंपनी ने अभी कुछ शहरों में यह नीति लागू की है। शीघ्र ही अन्य शहरों में भी इसे लागू किया जायेगा।**

ओयो ने मेरठ में अपने भागीदार होटलों को तत्काल प्रभाव से ऐसा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। नीति में हुए बदलाव से परिचित लोगों ने कहा कि जमीनी प्रतिक्रिया के आधार पर कंपनी इसे और शहरों में विस्तारित कर सकती है। उन्होंने कहा, "ओयो को पहले भी, विशेष रूप से मेरठ में सामाजिक समूहों से इस मुद्दे को हल करने के लिए प्रतिक्रिया मिली थी। इसके अलावा, कुछ दूसरे शहरों के निवासियों ने भी अविवाहित जोड़ों को ओयो होटलों में चेक-इन करने की अनुमति न देने की मांग की है।

कश्मीर के कई क्षेत्रों में रविवार को फिर बर्फ गिरी

श्रीनगर, 05 जनवरी। गुलमर्ग और सोनमर्ग जैसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों सहित कश्मीर के अधिकांश हिस्सों में रविवार को एक बार फिर बर्फबारी हुई। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि श्रीनगर और अन्य निचले इलाकों में बारिश हुई है। श्रीनगर में मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में पूरे जम्मू-कश्मीर में व्यापक रूप से हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी का पूर्वानुमान जताया है।

रिपोर्टों के अनुसार, प्रसिद्ध स्की रिसॉर्ट गुलमर्ग, सोनमर्ग और कुपवाड़ा, बारामूला, तंगमर्ग, शोपियां, कुलगाम और पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला सहित अन्य क्षेत्रों में भी बर्फबारी हुई है। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार कई स्थानों पर बर्फबारी जारी है।

गुलमर्ग और सोनमर्ग में पर्यटकों और स्थानीय लोगों ने ताजा बर्फबारी का आनंद उठाया। ट्रैफिक जाम से बचने के लिए गुलमर्ग की सड़कों पर बर्फ हटाने का अभियान भी शुरू किया गया है।

'राहुल गाँधी व तेजस्वी यादव युवाओं की लड़ाई का नेतृत्व करें'

प्रशांत किशोर ने कहा कि यह आंदोलन बिहार की खराब व्यवस्था के खिलाफ है

पटना, 5 जनवरी। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव से युवाओं की लड़ाई का नेतृत्व करने की अपील करते हुए कहा है कि वे यदि उनके साथ आते हैं तो वे उनके पीछे बैठकर आंदोलन का समर्थन करेंगे।

किशोर ने गांधी मैदान स्थित गांधी मूर्ति के नीचे अपने आमरण अनशन के चौथे दिन प्रेस वार्ता में कहा स्पष्ट रूप से कहा, यह आंदोलन किसी एक व्यक्ति का नहीं है, बल्कि यह बिहार की खराब व्यवस्था के खिलाफ है। मैं तमाम राजनीतिक पार्टियों से ये अपील करता हूं कि चाहे वो तेजस्वी यादव हों, राहुल गांधी हों, या कोई और नेता, वे हमारे साथ आएं। मैं उनके पीछे बैठकर इस आंदोलन का समर्थन करूंगा। यदि युवा तय कर लें कि वे नेता इसका नेतृत्व करेंगे, तो मैं पीछे हटने के लिए तैयार हूं।

- **आमरण अनशन के चौथे दिन प्रशांत किशोर ने बताया कि आंदोलन अब 51 सदस्यीय युवा सत्याग्रह समिति की ओर से चलाया जायेगा। यह समिति बिहार की व्यवस्था में सुधार के लिये प्रतिबद्ध है।**

किशोर ने कहा कि यदि प्रशासन उनकी गिरफ्तारी कर भी लेती है, तो भी ये सत्याग्रह जारी रहेगा। उन्होंने जानकारी दी कि अब यह आंदोलन 51 सदस्यीय युवा सत्याग्रह समिति की ओर से आगे बढ़ाया जाएगा। यह समिति बिहार की व्यवस्था में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, मैं समिति के साथ खड़ा हूं, और उनकी मदद करूंगा। अब यह आंदोलन सिर्फ बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के खिलाफ नहीं है, बल्कि बिहार की पूरी व्यवस्था के खिलाफ है।

प्रशांत किशोर ने कहा, हमारा संघर्ष एक युवा नेतृत्व वाली जन शक्ति के रूप में जारी रहेगा। सरकार चाहे कितनी भी ताकतवर क्यों न हो, जन बल से अधिक कोई बल नहीं है। इन युवाओं की कमिटमेंट मेरी अपेक्षा से कहीं ज्यादा मजबूत है। उन्होंने बिहार के लोगों से आ ान करते हुए कहा, यह लड़ाई सिर्फ बीपीएससी की नहीं, यह बिहार की व्यवस्था को सुधारने की है।

तेजस्वी ने प्रशांत किशोर पर छात्र आंदोलन कमजोर करने का आरोप लगाया

पटना, 5 जनवरी। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर पर आरोप लगाते हुए कहा है कि किशोर बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) छात्रों के आंदोलन को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं और वह एजेंट की भूमिका निभा रहे हैं।

- **बिहार वि.सभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा, प्रशांत किशोर तब सक्रिय हुए जब आंदोलन का महत्वपूर्ण चरण समाप्त हो चुका था।**

यादव ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने सबसे पहले बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के अभ्यर्थियों के मुद्दे को उठाया और सरकार से उनके पक्ष में कार्रवाई की मांग की। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को दो पत्र लिखकर इन मांगों पर विचार करने का अनुरोध भी किया था।

उन्होंने कहा कि राजद ने इस मुद्दे पर विधानसभा परिसर में प्रदर्शन किया और इसे सदन में जोर-शोर से उठाया। वहीं, प्रशांत किशोर तब सक्रिय हुए जब इस आंदोलन का महत्वपूर्ण चरण समाप्त हो चुका था। नेता प्रतिपक्ष ने किशोर पर निशाना साधते हुए कहा कि वह धरने के दौरान वैनिटी वैन का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, धरने के पीछे कौन निर्माता और निर्देशक हैं, यह मुझे पता है। यह सब एक तरह की शूटिंग है।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908